प्रेषक,

सोहन लाल, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में.

निदेशक. प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांकः 9, जनवरी, 2006

विषयः वित्तीय वर्ष 2005-06 में थल, जिला-पिथौरागढ़ में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेत्।

उपरोक्त विषय के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद-पिथौरागढ़ के महोदय, थल में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की रथापना करते हुये, इसके लिये प्रस्तावित तीन व्यवसाय आशुलिपि हिन्दी, कटिंग टेलरिंग, विद्युतकार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथी अथवा पद की भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो से दिनांक: 28.02.2006 तक के लिये बशर्ते की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जाये, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

## राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, थल, जिला-पिथौरागढ़ हेतु पदों का विवरण :-

जकीय	औद्योगिक प्राशिक्षण संस्थान, यर	स्वीकृत किये जाने वाले पदों की संख्या	वेतनमान
0i70d	पदों का नाम	विकृत किय जान पार नरा नरा	6500-10500
1.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	03	5000-8000
2.	त्रावसाय अनदेशक		5000-8000
3.	अनदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5000-8000
4.	अनुदेशक कला/गणित	01	4000-6000
5.	सहायक भण्डारी	01	4000-6000
6.	वरिष्ठ सहायक	01	2610-3540
7.	भण्डार/कार्यशाला परिचर	02	2550-3200
8.	चपरासी	01	2550-3200
9.	चौकीदार	01	2550-3200
10.	स्वच्छकार		
	योगः	14	

उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महंगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगें।

=         ४५त ज्यापित आ	देशों के अनुसार अनुमन्य महर	ाई एवं अन्य भत्त आदि ना प् यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
क्रापत जा	व्यवसाय का नाम	01	193
1 3	गशुलिपि हिन्दी	01	16
2.	इंटिंग टेलरिंग	01	16
	वेद्युतकार	ें अधियान के खर्चे हैं।	त निम्नलिखित विवरणानुस

उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्चे हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रूपये 14,00,000.00 (रूपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल धनराशि हजार रूपये में सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है :-

D. C.	आवश्यक घनराशि	
मद का नाम	01	
	01	
भत्ता	01	
भूला	01	
भूती	50	
नार लाय	50	
त्रा	01	
च्च / जल प्रभार	12	
न सामग्री	01	
िया फर्नीचर / उपकरण	01	
गालय प्रमासर्भ	10	
ि (कार्येतन	1200	
अवाता / उपकरण अवाता / उपकरण	70	
म नाम	01	
न्य व्यय	1400	
हमाइ वतन योगः	र स्वीकृत की	
	मद का नाम  ई भत्ता भत्ता भत्ता भत्ता भत्ते लय व्यय त देय कर/जल प्रभार न सामग्री र्जालय फर्नीचर/उपकरण राया उपशुल्क त्रवृत्ति/छात्रवेतन शीने साज-सज्जा/उपकरण न्य व्यय हॅगाई वेतन योगः	

उवत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शतों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की ज रही है कि उक्त मद में आंवटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किंग् जाता है, कि धनराशि का आंवटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्य करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिका की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किर जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

6- व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएसएण्डडी, की दरों एवं शर्तो, टेन्डर/कोटेश ि के विकास विकास अनुसालन समिष्टियत किया जायेगा। उपकरणों आदि का कय प्रत्ये

- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांकः 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा। उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या-16, मुख्य लेख शीषकं—2230—श्रम तथा रोजगार, 03—प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003—दस्त्कारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03—दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत-00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक
- 9— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्याः यू०ओ०ः ०९/वि०अनु०-५, दिनांकः मदों के नामें डाला जायेगा। 02.01.2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमित से जारी किये जा रहे हैं।

(सोहन लाल) अपर सचिव।

## पृष्ठांकन संख्याः 1618(1)/VIII/68-प्रशि/2005, तद्दिनांकितः प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित :-

- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी, पिथौरागढ़। 1-2-
- 3-
- श्री एल०एम० पंत, अपर सचिव, वित्त वजट, उत्तरांचल शासन। वित्त अनुभाग-5
- उपनिदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की को इस आशय से प्रेषित कि वे कृपया उक्त सूचन को राजपत्र के आगामी अंक में प्रकाशित कर वांछित प्रतियाँ शासन को उपलब्ध कराने क 5-कष्ट करें।
  - निजी सचिव, मुख्य सचिव ! 6-
  - नियोजन विभाग ।
- एन०आई०सी०, सचिवालय, देहरादून।
  - गार्ड फाईल।

आज्ञा से. (आरे०के० चौहान) अनुसचिव।